



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 318] नई दिल्ली, सोमवार, विसम्बर 9, 1974/प्रग्रहायण 18, 1896

No. 318] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 9, 1974/AGRAHAYANA 18, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

CORRIGENDA

New Delhi, the 9th December, 1974

G.S.R. 686(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department), No. G.S.R. 432(E), dated the 21st October, 1974, published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 21st October, 1974—

(a) at page 1989,—

(i) in line 28, for "Seciion", read "Section";

(ii) in line 50, for 'Laccadive.,', read 'Laccadive.';

(b) at page 1990, in line 24, for "substitute (e) ", read "substitute' (e)".

[No. F.19(5)/73-L.I]

V. S. RAMA DEVI,  
Dy. Legislative Counsel.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1974

सां. कां. निं. 686(अ).—भारत के राजपत्र, अमाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) तारीख 21 अक्टूबर, 1974 के पृष्ठ 1987-1996 पर प्रकाशित भारत सरकार के विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना सं० सां. कां. निं. 432(अ०) तारीख 21 अक्टूबर, 1974 में पृष्ठ 1991 पर—

हिन्दी पाठ की पंक्ति सं० 7 में—

“एस०ओ०” के स्थान पर “सां०कां०निं०” पढ़ें;

“अतः” के स्थान पर “यतः” पढ़ें;

पंक्ति सं० 11 में “हो” के स्थान पर “हों” पढ़ें।

पृष्ठ 1992 पर,

पंक्ति सं० 25 में—

“और अमीनदीवी द्वीपों” के स्थान पर

“और अमीनदीवी द्वीपों” पढ़ें;

पृष्ठ 1993 पर,

“न्याय-कर अधिनियम, 1961

(1961 का 43)

धारा 269-खण्ड (V) में, “लक्कादीव, मिनिकोय और अमीनदीवी द्वीपों के स्थान पर “लक्षदीप” रखें।” के पश्चात्

“संघ राज्य-क्षेत्र (लोक सभा के लिए प्रत्यक्ष निर्वाचन) अधिनियम, 1965 (1965 का 49) धारा 2-खण्ड (ग) में, “लक्कादीव, मिनिकोय और अमीनदीवी द्वीपों” के स्थान पर “लक्षदीप” रखें।” पढ़ें;

पंक्ति सं० 33 में—

“(ङ) द्वीपों” के स्थान पर “(ङ) द्वीपों” पढ़ें;

पृष्ठ 1994 पर,

पंक्ति सं० 11 में—

“रख” के स्थान पर “रखें” पढ़ें;

पंक्ति सं० 14-15 में—

“अनदान” के स्थान पर “अनदान” पढ़ें;

पृष्ठ 1995 पर,

पंक्ति सं० 5 में—

“(इ) “द्वीपों”, से ” के स्थान पर

“(इ) “द्वीपों” से ” पढ़ें;

पंक्ति सं० 26-27 में—

“इसका विस्तार सम्पूर्ण लक्षद्वीप संघ राज्य-क्षेत्र पर है” के स्थान पर, “(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण लक्षद्वीप संघ राज्य-क्षेत्र पर है” पढ़ें;

पंक्ति सं० 29 में—

“(ग) “द्वीपों” से” के स्थान पर

“(ग) “द्वीपों” से” पढ़ें;

पृष्ठ 1966 पर,

पंक्ति सं० 6 में—

“(ब) “द्वीपों”, से” के स्थान पर

“(ब) “द्वीपों”, से” पढ़ें;

पंक्ति सं० 13 में—

“(अनुसूचित जाति)” के स्थान पर

“(अनुसूचित जनजाति)” पढ़ें;

पंक्ति सं० 14 में—

“भाग 1” के स्थान पर “भाग I” पढ़ें ।

[सं० एफ० 19(5)/73-विद्या० II]

बी० एस० रमा देवी,

उप विभागी परामर्शी ।

